शामोंडा वायरस: फ्रांस में पहला दर्ज मानव-संक्रमण

स्वास्थ्य | समाचार संदर्भ: 22 अक्टूबर 2026 (फ्रांस में पहला मानव-मामला) | स्रोत: WHO, 22 अक्टूबर 2026 | प्रकाशित: 23 अक्टूबर 2026

खबरों में क्यों

विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) के अनुसार अक्टूबर 2026 में फ्रांस में शामोंडा वायरस से पहला दर्ज मानव-रोग-मामला सामने आया। रोगी पहले से गंभीर रूप से बीमार था और उसमें मस्तिष्क से जुड़े अतिरिक्त लक्षण दिखे, जिनका संबंध इसी वायरस से माना गया। अभी केवल एक ही मानव-मामला दर्ज है, इसलिए मनुष्य में इस बीमारी की जानकारी सीमित है; कोई इलाज या टीका उपलब्ध नहीं।

वायरस-परिचय

- शामोंडा वायरस Peribunyaviridae कुल और Orthobunyavirus वर्ग का सदस्य है और Simbu सीरोग्रुप में आता है; श्मालेनबर्ग वायरस का करीबी है।
- यह मुख्यतः मवेशी, भेड़, बकरी और घोड़ों को प्रभावित करता है। जानवरों के बीच फैलाव क्यूलिकॉइडीज़ (Culicoides) नामक छोटी मक्खी-जैसे कीड़े (मिज) के काटने से होता है; गर्भावस्था में संक्रमित जानवर भ्रूण को भी संक्रमित कर सकता है।
- 1965 में नाइजीरिया के मवेशियों में पहली बार पहचाना गया; तब से अफ्रीका के देशों और जापान में रिपोर्ट हुआ। यूरोप में पहली बार जून 2026 में दक्षिणी जर्मनी और स्विट्ज़रलैंड के मवेशियों में मिला; बाद में ऑस्ट्रिया, बेल्जियम और फ्रांस के डेयरी-पशुओं व घोड़ों में भी।
- पशुओं में बीमारी से दूध-उत्पादन, प्रजनन और पशु-व्यापार पर जोखिम रहता है।

संदर्भ और विस्तृत व्याख्या

शामोंडा वायरस ज़ूनोटिक क्षमता वाले वेक्टर-जनित वायरसों की श्रेणी को समझने का उदाहरण है। इसका प्रसार-चक्र जानवरों और क्यूलिकॉइडीज़ मिज के बीच चलता है — संक्रमित मिज स्वस्थ पशु को काटकर वायरस पहुँचाती है; मनुष्य तक पहुँच असाधारण है, इसीलिए फ्रांस का एकल मामला उल्लेखनीय है। Simbu सीरोग्रुप के वायरस पशु-गर्भधारण में विकृति और दूध-उत्पादन में गिरावट के लिए जाने जाते हैं — श्मालेनबर्ग वायरस ने 2011 के दशक में यूरोप में व्यापक नुकसान पहुँचाया था, इसलिए किसी करीबी वायरस के यूरोप में प्रवेश और फिर मानव-मामले की सूचना निगरानी-तंत्र को सतर्क करती है। किसी नई बीमारी में पहला मानव-मामला इसलिए महत्वपूर्ण होता है कि इससे वायरस की मनुष्य में संक्रमित करने की क्षमता की पहली दस्तावेजी पुष्टि मिलती है, यद्यपि एकल मामले से व्यापक मानव-जोखिम का निष्कर्ष नहीं निकलता। इलाज या टीके की अनुपलब्धता का अर्थ है कि रोकथाम का मुख्य आधार वेक्टर-नियंत्रण और निगरानी ही है — पशुधन में लक्षणों की रिपोर्टिंग, मिज-नियंत्रण और संक्रमित क्षेत्रों से पशु-आवागमन पर निगरानी।

PCSMANTRA.COM

परीक्षा की दृष्टि से

वेक्टर (रोग-वाहक) की पहचान (क्यूलिकॉइडीज़ मिज), कुल/वर्ग, 1965 नाइजीरिया, जून 2026 यूरोप-आगमन और पहला मानव-मामला — प्रिलिम्स स्वास्थ्य-तथ्य; ज़ूनोटिक (जानवरों से मनुष्य में फैलने वाली) बीमारियों की चर्चा में मेन्स-उदाहरण।

स्रोत और सीमाएँ

- WHO प्रश्नोत्तर-विवरण, 22 अक्टूबर 2026 (पढ़ा): who.int/shamonda-virus
- **सीमाएँ:** मनुष्य में केवल एक दर्ज मामला; रोगी की स्थिति का विवरण WHO-पाठ तक सीमित। कोई इलाज/टीका उपलब्ध नहीं (WHO)।

PCSMANTRA.COM